हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, शनिवार, 26 जुलाई, 2025

11 दा आकवुड स्कूल में पारंपरिक उत्साह ...

12 ड्रेन ओवरफ्लो होने से सागवान की 300 एकड़ ...

खबर संक्षेप

ग्राम सभा की मीटिंग 28 को, पंचायत भवन में

बहल। मनरेगा योजना से संबंधित कष्ट निवारण ग्राम सभा की मीटिंग 28 जुलाई को कस्बे पंचायत भवन में आयोजित होगी। मीटिंग की अध्यक्षता सरपंच साधूराम पनिहार करेंगे। मीटिंग में ग्राम सचिव सहित पंचायत विभाग के अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहेंगे। पंचायत द्वारा जारी सूचना के अनुसार, 28 जुलाई को सुबह 11 बजे पंचायत भवन में होने वाली मीटिंग में मनरेगा मजदूरों के समक्ष आने वाली विभिन्न समस्याएं सुनी जाएगी। मीटिंग में मनरेगा के नए जॉब कार्ड बनाए जाएंगे व जिस किसी का कार्ड खराब हो गया हो उसकी नई कापी बनाई जाएगी।

परिवेदना समिति की बैठक 29 को

चरखी दादरी। उपायुक्त मुनीश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि 29 जुलाई को जिला कष्ट निवारण एवं परिवेदना समिति की बैठक का आयोजन किया जाएगा। कृषि एवं पशुपालन मंत्री श्याम सिंह राणा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने बताया कि बैठक सुबह 11 बजे लघु सचिवालय के प्रथम तल स्थित सभागार में आयोजित की जाएगी। बैठक के दौरान समिति के समक्ष आई शिकायतों को सुनते हुए उनके तुरंत निपटान का प्रयास किया जाएगा । बैठक में कृषि मंत्री के समक्ष कुल 19 शिकायतें रखी जाएंगी, जिनमें 8 लंबित व 11 नई शिकायतें शामिल हैं।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना का लाभ उठाएं उद्यमी

चरखी दादरी। केंद्र सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के विकास के लिए उल्लेखनीय कदम है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली हरियाणा सरकार राज्य में सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के विकास के लिए विशेष ध्यान केंद्रित कर रही है। उपायुक्त मुनीश शर्मा ने बताया कि केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना का लाभ पहुंचाने के लिए अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। प

इग्नू में पीएचडी के लिए एडमिशन प्रक्रिया शुरू

चरखी दादरी। इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) ने 2025 सत्र के पीएचडी कार्यक्रम के लिए एडमिशन प्रक्रिया शुरू कर दी है। जो उम्मीदवार ओपन यूनिवर्सिटी से पीएचडी करने का विचार कर रहे हैं वो इग्नू की आधिकारिक प्रवेश पोर्टल पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इग्नू ने अंग्रेजी, हिंदी, वाणिज्य, शिक्षा, प्रबंधन, लोक प्रशासन, राजनीति विज्ञान, विधि, भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीवन विज्ञान और जैसे 24 विषयों के लिए पीएचडी एंट्रेंस एग्जाम के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू की है। इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ धर्म पाल ने बताया कि इच्छुक उम्मीदवारों के पास संबंधित विषय में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ मास्टर डिग्री होनी अनिवार्य है।

आज व कल होने वाली सीईटी की परीक्षा को लेकर प्रशासन ने कसी कमर, तैयारी पूरी

भिवानी से महेंद्रगढ़-सोनीपत के लिए सुबह चार बजे तो रोहतक के लिए 5:30 बजे बस चलेगी

- सीईटी परीक्षा दोनों दिन सुबह और सायं दो सत्र में आयोजित होगी। परीक्षा के संचालन में 51 नोडल अधिकारी व 35 ड्यूटी मजिस्ट्रेट लगाए गए हैं। इसके अलावा 40 ड्यूटी मजिस्ट्रेट को रिजर्व रखा गया है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

26 व 27 जुलाई को होने वाली सीईटी की परीक्षा को लेकर प्रशासन ने पूरी तरह से कमर कस ली है। परीक्षार्थियों को समय पर परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने के लिए रोडवेज बसों को भेजे जाने का भी शैडयूल तय कर लिया है। भिवानी से महेंद्रगढ़ व सोनीपत के लिए सुबह चार बजे बस को रवाना किया जाएगा। भिवानी से रोहतक के लिए सुबह साढ़े पांच बजे बस रवाना होगी। जिसका खाका सभी डिपो व सब डिपों में तहसील स्तर पर अस्थाई या स्थाई बस अड्डों पर भेज दिया गया है। योजना के मुताबिक लोहारू से रोहतक सुबह साढ़े चार बजे, सिवानी व तोशाम से रोहतक के लिए चार बजे, बवानीखेड़ा से रोहतक के लिए साढे चार बजे,बहल से रोहतक के लिए चार बजे, जुई व कैरू से सुबह पांच बजे रोहतक के लिए बस रवाना होगी। इसी तरह ईशरवाल से साढे चार बजे तथा मुंढाल से रोहतक सुबह पांच बजे रवाना होगी। 27 जुलाई को भी सुबह की पारी में बसों का यही शैडयूल रहेगा।

भिवानी से महेंद्रगढ

भिवानी से महेंद्रगढ के लिए सुबह चार बजे, लोहारू से महेंद्रगढ के लिए पांच बजे, तोशाम, सिवानी, बवानीखेड़ा व जुई से महेंद्रगढ के लिए सुबह चार बजे बस को रवाना किया जाएगा। इनके अलावा कैरू व मुंढाल से सुबह पांच बजे तथा ईशरवाल से महेंद्रगढ के लिए सुबह चार बजे बस रवाना होगी। भिवानी से सोनीपत सुबह चार बजे, लोहारू से सोनीपत साढे तीन बजे, सिवानी,बहल व तोशाम से सोनीपत सुबह साढ़े तीन बजे, बवानीखेड़ा से सोनीपत के लिए सुबह चार बजे बस को रवाना किया जाएगा। भिवानी से हिसार के लिए सुबह छह बजे, लोहारू से हिसार के लिए साढ़े पांच बजे, तोशाम से हिसार के लिए साढे 6 बजे,बवानीखेड़ा से हिसार के लिए साढे छह बजे, बहल से हिसार के लिए सुबह छह बजे बस को रवाना किया जाएगा।

उपायुक्त साहिल गुप्ता ने कहा कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा 26 व 27 जुलाई को आयोजित की जाने वाली सीईटी परीक्षा के पारदर्शी ढंग से संचालन व परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए सभी जरूरी पुख्ता प्रबंध किए जा चुके हैं। सीईटी परीक्षा दोनों दिन सुबह और सांय दो सत्र में आयोजित होगी। परीक्षा के संचालन में 51 नोडल अधिकारी व 35 ड्यूटी मजिस्ट्रेट लगाए गए हैं। इसके अलावा 40 ड्यूटी मजिस्ट्रेट को रिजर्व रखा गया है।

सीईटी के लिए भिवानी जिले से 26 व 27 जुलाई को लगभग एक लाख 25 हजार 800 परीक्षार्थी परीक्षा देने जाएंगे, जिनमें से एक शिफ्ट में करीब 25 हजार 800 परीक्षार्थी जाएंगे। ये परीक्षार्थी परीक्षा के लिए हिसार, रोहतक, महेन्द्रगढ़-नारनौल, सोनीपत, दादरी में जाएंगे। जिला हिसार से परीक्षा देने के लिए कुल लगभग 59 हजार 108 परीक्षार्थी आएंगे, जो कि एक शिफ्ट में करीब 14 हजार 777 परीक्षार्थी जिला भिवानी पहुचेंगे। परीक्षा सुबह के सत्र में 10:00 से 11:45 बजे तक तथा दोपहर बाद सांय सत्र में 3:15 से 5:00 बजे तक परीक्षा आयोजित होगी। सीईटी परीक्षार्थियों के लिए जिले में 35 लोकेशन पर 56 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों को पहुंचाने के लिए सात शटल बस रूट तैयार किए गए हैं, जिन पर शटल बस चलाई जाएंगी। शटल बसों का भी प्लान तैयार किया गया है, जिसमें करीब 125 बस चलेंगी। प्रत्येक रूट पर अधिकारियों को ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात किया गया है।

दूर-दराज वाले परीक्षार्थी एडमिट कार्ड दिखाकर एक दिन पहले कर सकते हैं यात्राः कुंडू

सीईटी परीक्षा को लेकर हरियाणा रोडवेज विभाग ने परीक्षार्थियों को बड़ी राहत दी है। विभाग ने घोषणा की है कि जिन अभ्यर्थियों के परीक्षा केंद्र दूर-दराज के क्षेत्रों में हैं, वे अब परीक्षा से एक दिन पूर्व भी हरियाणा रोडवेज की बसों में मुफ्त यात्रा कर अपने परीक्षा केंद्र पर पहुंच सकेंगे। इस सुविधा का उद्देश्य यह है कि किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा के दिन यात्रा संबंधी किसी परेशानी का सामना न करना पड़े और वह समय से पहले केंद्र पर पहुंच सके। यह जानकारी देते हुए रोडवेज डिपो के जीएम दीपक कुंडू ने बताया कि परीक्षार्थी को बस में मुफ्त यात्रा के लिए अपना एडमिट कार्ड दिखाना अनिवार्य होगा।

भिवानी। सीईटी परीक्षा की तैयारियों की जानकारी देते उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक।

कहां से कहां तक	दूरी किलो.	समय
भिवानी से रोहतक	56	1-25 मिनट
लोहारू से रोहतक	126	3-10 मिनट
तोशाम से रोहतक	86	2-10 मिनट
सिवानी से रोहतक	123	3-10 मिनट
बवानीखेड़ा से रोहतक	80	2-00 मिनट
बहल से रोहतक	123	3-10 मिनट
जुई से रोहतक	93	2-10 मिनट
कैरू से रोहतक	96	2-20 मिनट
ईशरवाल से रोहतक	112	2-50 मिनट
मुंढाल से रोहतक	57	1-35 मिनट
भिवानी से महेंद्रगढ	80	2-00 मिनट
लोहारू से महेंद्रगढ	46	1-10 मिनट
तोशाम से महेंद्रगढ	92	2-20 मिनट
सिवानी से महेंद्रगढ	144	3-35 मिनट
बवानीखेड़ा से महेंद्रगढ	104	2-35 मिनट
जुई से महेंद्रगढ	57	1-25 मिनट
कैरू से महेंद्रगढ	69	1-45 मिनट
ईशरवाल से महेंद्रगढ	140	3-30 मिनट
मुंढाल से महेंद्रगढ	113	2-50 मिनट

सख्त पहरा रहेगा : एसपी

पत्रकारों को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक मनबीर सिंह ने बताया सीईटी की परीक्षा को लेकर भिवानी में बनाए गए सभी परीक्षा केंद्रों पर पुलिस का कड़ा पहरा रहेगा। सभी केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। शहर में जाम की स्थिति से निपटने के लिए यातायात पुलिस को भी जरूरी निर्देश दिए जा चुके हैं। परीक्षार्थियों की सहायता के लिए जिला प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर 01664-242744 व 8814011461 जारी किया है। 112 नंबर पर भी सहायता के लिए कॉल की जा सकती है।

अपने परीक्षा केंद्र पर हीं उतरें

जिला हिसार से 26 और 27 जुलाई को रोडवेज की बसों के माध्यम से भिवानी में सीईटी की परीक्षा देने आने वाले परीक्षार्थियों से भिवानी जिला प्रशासन ने विशेष अपील करते हुए कहा है कि जिला भिवानी में बनाए गए परीक्षा केंद्रों में से 15 परीक्षा केंद्रों के कैंपस भिवानी से हांसी रूट पर पड़ते हैं। ऐसे में जिला हिसार से आने वाले परीक्षार्थी अपने परीक्षा केंद्र पर ही उतर जाएं, जिससे उनको भिवानी बस स्टैंड से वापिस परीक्षा केंद्र नहीं आना पड़ेगा। इससे उनके समय की बचत होगी।

ठहरने की व्यवस्था

डीसी साहिल गुप्ता ने बताया कि बाहर से भिवानी में परीक्षा देने आने वाले परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए जिला प्रशासन द्वारा ठहरने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि जाट धर्मशाला में केवल महिला परीक्षार्थियों के ठहरने की व्यवस्था की गई है। यहां पर सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस का पुख्ता प्रबंध किया गया है। इसके अलावा रोहतक रोड़ पर राधा स्वामी सत्संग भवन दिनोद व राधा स्वामी ब्यास आश्रम में भी परीक्षार्थियों के ठहरने की व्यवस्था की गई है।

सीईटी की परीक्षा के लिए प्रशासन ने लगाया पूरा अमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

जिला प्रशासन ने सीईटी की निष्पक्ष एवं निर्बाध परीक्षा संपन्न करवाने के लिए पूरा अमला लगा दिया है। उपायुक्त मुनीश शर्मा स्वयं तैयारियों पर नजर रख रहे हैं। दूसरे जिलों से दादरी परीक्षा देने के लिए आने वाले परीक्षार्थियों के लिए शटल बस सेवा के 5 रूट निर्धारित कर दिए गए हैं। सभी बसें पहले नई अनाज मंडी परिसर में पहुंचेगी और वहां से अलग अलग रूटों पर बनाए गए परीक्षा केंद्रों तक शटल बस सेवा से परीक्षार्थियों को पहुंचाया जाएगा। पहले रूट के तहत नई अनाज मंडी से महेन्द्रगढ चौक लोहारू चौक से एससीआर स्कूल चरखी, ग्रीन मिडोज स्कूल व आरईडी स्कूल तक सेवा मिलेगी। दूसरे रूट के तहत नई अनाज मंडी से महेन्द्रगढ चौक से कलियाणा रोड पर बेस मॉडल स्कूल व गीता निकेतन स्कूल, तीसरे रूट के तहत नई अनाज मंडी से महेन्द्रगढ चौक उत्सव गार्डन नया बाईपास से आर्यन मॉडल स्कूल व केएन स्कूल, चौथे रूट पर नई अनाज मंडी महेन्द्रगढ चुंगी कबाडी मार्केट काठ मंडी से पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय और वैश्य कन्या गर्ल्स व ब्वाज और पांचवे रूट के तहत नई अनाज मेडी से कालेज रोड पर एपीजे कालेज, डीआरके स्कूल व जनता कालेज तक परीक्षार्थियों को पहुंचाया जाएगा।

6 ड्यूटी मजिस्ट्रेट संभालेंगे जिम्मेदारी: प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर उपायुक्त ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए हैं, जो सीईटी परीक्षा की कमान संभालेंगे। अधिकारियों व कर्मचारियों का संयुक्त उड़नदस्ता दल गठित किए हैं। परीक्षा केंद्रों पर कानून व शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात रहेगा। जिलाधीश द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए 26 व 27 जुलाई को सीईटी परीक्षा को लेकर निषेधाज्ञा के आदेश किए जा चुके हैं।

पांच स्थानों से मिलेगी बस सेवा

परिवहन विभाग की ओर से जिला के पांच स्थानों को निर्धारित किया गया है। जहां से बसें रवाना होंगी। इनमें दादरी नई अनाज मंडी और बाढड़ा, झोझू व कादमा के बस स्टैंड सहित बौंद के गोगा पीर मंदिर का मैदान शामिल हैं। इन सभी स्थानों पर पेयजल, शौचालय और जलपान आदि की व्यवस्था की जाएगी। सोशल मीडिया सहित कोचिंग सेंटर आदि में पेपर को लेकर नहीं कर सकते चर्चा सरकार के निर्देशों के अनुसार परीक्षा के दौरान पेपर को लेकर सोशल मीडिया, कोचिंग सेंटर व लाइब्रेरी आदि में चर्चा पर रोक लगा दी है। ऐसा करने पर संबंधित के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज करवा दी जाएगी और सख्त कार्यवाही की जाएगी।

अध्यापक संघ खंड तोशाम इकाई ने बीईओ को सौंपा ज्ञापन

- प्रदर्शन की अध्यक्षता खंड प्रधान धर्मवीर हसान ने की व संचालन खंड सचिव बलवान सिंह ने किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तोशाम

शुक्रवार को हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ खंड तोशाम इकाई ने प्रदर्शन करते हुए शिक्षा विभाग हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव के नाम खंड शिक्षा अधिकारी तोशाम के माध्यम से एक ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन की अध्यक्षता खंड प्रधान धर्मवीर हसान ने की व संचालन खंड सचिव बलवान सिंह ने किया। इस दौरान उनकी मुख्य मांगे थी कि 2012 से पूर्व नियुक्त जेबीटी व सीएंडवी को नियुक्ति के समय की शर्तों के अनुसार एसीपी का लाभ प्रदान किया जाए। सभी अतिथि अध्यापक कंप्यूटर, वोकेशनल, एनएसक्यूएफ, डब्ल्यूईआई व एचकेआरएन के तहत लगे सभी अध्यापकों को नियमित किया जाए। सभी वर्गों के शिक्षकों के तबादले प्रत्येक सत्र में अप्रैल माह के प्रथम सप्ताह में करना सुनिश्चित करें व अब तबादले तुरंत किए जाएं और जेबीटी से शुरू हो।

चतुर्थ श्रेणी से जिला शिक्षा अधिकारी तक की पदोन्नति सूची अविलंब जारी की जाए। उल्लास, बीएलओ व पीपीपी समेत सभी गैर शैक्षणिक कार्यों पर रोक लगाई जाए। सामाजिक सुरक्षा पुरानी पेंशन तुरंत बहाल की जाए। छात्रों की मासिक व वार्षिक प्रोत्साहन राशि जारी की जाए। पिछले ब्लॉक की एलटीसी का तुरंत निपटारा हो व 2024 से 27 की एलडीसी का लाभ समयबद्ध तरीके से दिया जाए।

तपजप के बैनर तले पीड़ित निवेशकों की बैठक कल

भिवानी। ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार (तपजप) के बैनर तले पीएसीएल सहित आदर्श कॉपरेटिव सोसायटी, सहारा इंडिया, किमफ्यूचर विजन, नैट कर्मिशियल इस्टेट, विनायक होम रियल इस्टेट, सर्वहित हाऊसिंग इनफैक्चर लिमिटेड, समृद्धि जीवन, जयहिंदिया इसोपी प्राईवेट लिमिटेड, गौपैथी स्वदेशी उद्योग सहित अन्य चीटफंड कंपनियों के पीड़ित निवेशकों की बैठक 27 जुलाई को आयोजित की जाएगी। यह जानकारी देते हुए तपजप के जिला उपप्रधान राजेश बड़ाला ने बताया कि पीड़ित निवेशकों की यह बैठक स्थानीय हुडा पार्क में सुबह 11 बजे आयोजित की जाएगी। जिसमें तपजप के प्रदेश अध्यक्ष रामजस व जिला प्रधान रमेश तंवर पीड़ित निवेशकों को संबोधित करेंगे तथा आगामी संघर्ष की रूपरेखा तय करेंगी। बड़ाला ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य 31 जुलाई को मथुरा (फरह) में होने वाले राष्ट्रीय आंदोलन व रैली की तैयारियों को लेकर चर्चा करना रहेगा।

जमीन पर लेटे परिवारों के लोग, मांगा समय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लोहारू

- जमीन का कब्जा छुड़ाने पहुंची प्रशासन की टीम का विरोध

शहर के चरखी दादरी रोड पर करीब 7 एकड़ जमीन को न्यायालय के आदेश पर खाली करवाने पहुंचा पुलिस प्रशासन लोगों के विरोध के चलते एक बार फिर बैरंग लौट गया। मौके पर कई परिवारों के करीब 40 अधिक लोग जमीन के रास्ते पर लेट गए और कोर्ट की तारीख का हवाला देते हुए सात दिन का समय मांगा और जमीन खाली करने से इंकार कर दिया।

यहीं नही विरोध जताने वाले लोगों ने प्रशासन को चेताया कि वह उनको कुचल कर आगे बढ़कर कार्रवाई कर सकता है लेकिन वे रास्ते से नही उठेंगे। लोगों के विरोध के चलते पुलिस प्रशासन का अमला शुक्रवार सांय बैरंग ही लौट गया। बता दें कि शहर के दादरी मोड़ के पास स्थित करीब 7 एकड़ जमीन को न्यायालय के आदेश पर खाली करवाने के लिए प्रशासन कई महीनों से जद्दोजहद कर रहा है। चार माह पहले भी इसी जमीन पर न्यायालय के आदेश पर खाली करवाने पहुंची प्रशासन की टीम के सामने विरोध जताने वाले दो लोगों अपने ऊपर पेट्रोल छिड़कर आग लगा ली। जिनकी बाद में उपचार के दौरान मौत हो गई। इस मामले में दो लोगों की जीवन लीला समाप्त होने के बाद प्रशासन भी फूंक फूंककर कदम रख रहा है। एसडीएम मनोज दलाल ने बताया कि न्यायालय के आदेश में जमीन खाली करवाने के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट उप तहसीलदार कृष्ण कुमार के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची थी। लेकिन मौके पर मौजूद लोगों ने इसका विरोध जताया और आगामी एक सप्ताह के भीतर इसी जमीन को लेकर न्यायालय में तारीख होने का हवाला दिया। यहीं नही अनेक लोग प्रशासन विरोध करते हुए जमीन पर ही सीधे लेट गए, जिनमें अनेक महिलाएं भी शामिल थी। बहरहाल इस मामले में ड्यूटी मजिस्ट्रेट अपनी रिपोर्ट डीएसपी लोहारू को भेजेंगे ।

अधिकारियों के तबादले के साथ अपराधियों पर लगाम कसने की मांग

बढ़ते अपराधों से भड़के लोग, ज्ञापन देकर जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

दादरी जिले में बढ़ते अपराधों को लेकर आखिर लोगों का गुस्सा शुक्रवार को फुट पड़ा। उन्होंने लचर कानून व्यवस्था को लेकर वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉक्टर मनीषा सांगवान के नेतृत्व में रोष प्रकट करते हुए उपायुक्त मुनीश शर्मा को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। इन सबके लिए पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि अपराधियों में पुलिस का कोई खौफ नहीं है यही वजह है कि एक के बाद एक आपराधिक घटनाएं घटित हो रही हैं। उन्होंने राज्यपाल से दखल देते हुए अविलंब ढीले और नकारा पुलिस अधिकारियों के तबादले के साथ अपराधियों के लिए कड़ी कार्रवाई की मांग रखी है। प्रदेश महिला कांग्रेस महासचिव डॉ. मनीषा सांगवान ने कहा कि अपराधों का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। जिसके कारण दादरी का आम नागरिक भय के साए में जीने को मजबूर है। कोई हफ्ता नहीं गुजरता जब हत्या, चोरी, लूट, डकैती या बलात्कार की घटना ना घटित होती हों। अपराधी घटना को अंजाम दे फरार हो जाते हैं। जिसके लिए अधिकारियों की ढीली पकड़ और लचर रवैया दोषी है। उन्होंने कहा कि

चरखी दादरी। उपायुक्त को राज्यपाल के नाम ज्ञापन देते। फोटो : हरिभूमि

दादरी नया जिला बना है और शहर के चारों तरफ पुलिस के नाके बने हुए हैं। चिंता का विषय यह है कि उसके बावजूद अपराधी उनकी पकड़ में नहीं आते। जनता में ये आम धारणा बन गई है कि पुलिस अपराधियों का गठजोड़ है। इसके लिए जरूरी है कि नकारा और मोटी कमाई करने वाले अधिकारियों को दूर की राह दिखाई जाए और दादरी जिले में अमन चैन की बहाली के लिए ईमानदार अधिकारियों की नियुक्ति हो। किसान नेता राजू मान ने कहा कि बड़े अधिकारियों की नजर ओवरलोडिंग और अवैध खनन के खेल पर है। यही वजह है कि कनिष्ठ कर्मचारियों पर उनकी पकड़ ना के बराबर है। इससे सारी व्यवस्था चरमरा गई है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को सूखे नशे ने अपनी चपेट में ले लिया है जिससे उनकी जिंदगी भी तबाह हो रही है उसको बचाने के लिए सरकार को गंभीर प्रयास करने होंगे। प्रदेश सब्जी मंडी एसोसिएशन के कार्यकारी प्रधान नितिन जांघू ने कहा कि नागरिकों को सुरक्षा देना पुलिस का नैतिक दायित्व है पर उसको छोड़ थानाधिकारी वसूली पर निगाह रखे हुए हैं। जब तक नकारा अधिकारियों का तबादला नहीं होता हम चैन से नहीं बैठेंगे।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पार्षद प्रतिनिधि वीरेंद्र सांगवान, पार्षद सुधीर स्वामी, पार्षद अजय सांगवान, पार्षद सत्यवान, पार्षद कौशल्या देवी, पूर्व पार्षद दिनेश जांगड़ा, अरुण सर्राफ, शमशेर फौगाट, पूर्व प्रधान महेश सैनी, राधेश्याम मित्तल, जगबीर घसोला, सुनिल पहलवान, अजय सांगवान, रणबीर मान, राजेंद्र डागर, राजेंद्र महराणा, धर्मबीर फौजी, धर्मेंद्र जावला सहित इत्यादि उपस्थित थे।

नशा तस्कर को चार वर्ष का कारावास व 30,000 जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

अदालत ने नशीला पदार्थ रखने के आरोप में एक व्यक्ति को चार वर्ष की कैद की सजा सुनाई है। साथ ही आरोपी पर 30 हजार रुपये का जुर्माना भी किया है। जुर्माना अदा न करने की सूरत में आरोपी को अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

एडीशनल सेशन जज अजय पराशर की अदालत ने थाना सिविल लाइन भिवानी में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के मामले में आरोपी को दोषी ठहराते हुए दोषी को 04 वर्ष कारावास व जुर्माना की सजा सुनाई गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दो मई वर्ष 2023 को सीआईए स्टाफ-2 भिवानी के सहायक उप निरीक्षक रमेश कुमार ने आरोपी को नशीला पदार्थ गांजा पत्ती के साथ गिरफ्तार किया था। आरोपी अजय पुत्र ईश्वर निवासी सिहर खास हाल निवासी न्यू हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी सेक्टर 13 से 04 किलो 26 ग्राम गांजा पत्ती बरामद हुई थी।

इसी मामले में शुक्रवार को एडीशनल सेशन जज भिवानी की अदालत ने उक्त आरोपी को दोषी ठहराते हुए उसे 04 वर्ष की कारावास व 30,000 रुपए जुर्माना की सजा सुनाई गई है। जुर्माना अदा न करने पर आरोपी को अतिरिक्त सजा के आदेश किए गए।

एक शेर की दहाड़ इतनी तेज़ होती है इसे पांच मील दूर तक सुना जा सकता है।

यंगभूमि

कुत्तों की आबादी के मामले में अमेरिका पहले नंबर पर आता है इसके बाद दूसरा स्थान फ्रांस का आता है।

अच्छा करियर बनाना है तो आंगनवाड़ी टीचर बेहतर विकल्प

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

आंगनवाड़ी टीचर बनना अपने आप में ही एक उपलब्धि है क्योंकि आंगनवाड़ी शिक्षक बनकर आप बच्चों और गरीब वर्ग के लोगों की सहायता कर सकते हैं। यह वास्तव में ही एक सराहनीय काम है। इससे आप बच्चों की शिक्षा में सहायता कर सकते हैं तथा गरीब वर्ग के लोगों की भी मदद कर सकते हैं। एक आंगनवाड़ी सहायिका अपने समाज में महिलाओं और बच्चों की देखभाल करने में अहम भूमिका निभाती है। अगर आपके मन में सवाल उठ रहा है कि आंगनबाड़ी शिक्षक बनने के लिए क्या करना होता है तथा इसके लिए कौन सी योग्यताएं चाहिए। हम इस लेख में जानकारी दे रहे हैं।

ये होनी चाहिए योग्यता

शैक्षिक योग्यता: आंगनवाड़ी टीचर बनने के लिए आप कम से कम 12वीं कक्षा पास होने चाहिए। शिक्षा मंत्रालय की तरफ से मान्यता प्राप्त बोर्ड से आपकी पढ़ाई पूरी होनी चाहिए।

आयु सीमा: आंगनवाड़ी टीचर बनने के लिए आपकी आयु 18 से 35 वर्ष के बीच होना अनिवार्य है।

भाषा योग्यता: आंगनवाड़ी टीचर बनने के लिए आप हिंदी भाषा बोलने में पूर्ण रूप से सक्षम होने चाहिए। आपको बच्चों को सही संज्ञानात्मक पाठ देने में पूरा ज्ञान होना चाहिए।

प्रशिक्षण प्राप्त करें: आंगनवाड़ी टीचर बनने के लिए आपको संबंधित ट्रेनिंग लेनी होगी। आप स्थानीय या राष्ट्रीय सरकारी अथवा निजी संस्थानों से टीचर ट्रेनिंग कोर्स कर सकते हैं। इसके लिए आपको बाल विकास, शिक्षा में प्रवीणता, बाल संरक्षण आदि के विषयों में गहन ज्ञान लेना होगा।

योग्यता की जांच: आंगनवाड़ी टीचर बनने के लिए, आपको 12वीं कक्षा पास होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त आपको भी बाल विकास या संबंधित विषयों में अवधारणा होनी चाहिए।

आवश्यक कागजात की तैयारी: आंगनवाड़ी टीचर के पद के लिए आवेदन करने से पूर्व, आपको जरूरी दस्तावेजों की तैयारी करनी होगी। आपको अपनी शैक्षिक योग्यता के प्रमाण पत्र, आवेदन पत्र, पहचान पत्र, निवास प्रमाण पत्र, और किसी भी अन्य आवश्यक दस्तावेजों की एक कॉपी तैयार रखनी होगी।

ये अलग-अलग पद

आंगनवाड़ी सेविका: आंगनवाड़ी सेविका मुख्य रूप से बच्चों और माताओं की देखरेख करने का काम करती है। आंगनबाड़ी सेविका शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य सेवाएं, और सामाजिक सुरक्षा संबंधित कार्यों कों संचालित करती है।

आंगनवाड़ी सहायका: आंगनवाड़ी सहायका सेविका की सहायता करने का काम करती हैं और उन्हें विभिन्न कार्यों में सहायता उपलब्ध करती है। वे सामान्यतः आंगनवाड़ी सेविका के अधीन कार्य करती हैं। यानी की आंगनवाड़ी सहायिका आंगनबाड़ी सेविका के अंडर में काम करती है।

मिशन आंगनवाड़ी सेविका: कुछ राज्यों में, मिशन आंगनवाड़ी सेविका के पद होते हैं जो सेविका और सहायका के कार्य को पूरा करती है। इनका काम आंगनबाड़ी सेविका और सहायिका के काम को पूरा करना होता है।

आंगनवाड़ी सहायिका कम और संशोधित संस्करण: कुछ राज्यों में, आंगनवाड़ी सेविका और सहायका के संशोधित संस्करण होते हैं जो नए नियमों और मानकों के मुताबिक कार्य करते हैं।

महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिलती

ये लाभ

बच्चों का सम्पूर्ण विकास: आंगनवाड़ी में होने वाले कार्यक्रम बच्चों के सामाजिक, शारीरिक, और मानसिक विकास को प्रोत्साहन देते हैं। यहां बच्चों को नैतिक मूल्यों, सामाजिक योग्यता, और आत्मविश्वास सिखाया जाता है।

स्वस्थ रहना: आंगनवाड़ी सेंटर में बच्चों को स्वस्थ खानपान की सलाह दी जाती है और उन्हें नियमित चिकित्सा परीक्षा का लाभ दिया जाता है।

पोषण की सुरक्षा: आंगनवाड़ी में उपलब्ध पोषण सेवाएँ बच्चों को सही आहार देने के बारे में जानकारी देती हैं और उनके पोषण स्तर का ध्यान रखती हैं। इससे उनकी गहरी कमजोरी और पोषण संबंधित समस्याओं का समाधान होता है।

माता की देखभाल: आंगनवाड़ी में मौजूद मातृ देखभाल सेवाएँ माताओं को गर्भावस्था, प्रसव, और प्रसव के बाद की देखभाल के लिए मदद करती है।

सैलरी : आंगनवाड़ी वर्कर की सैलरी की बात करें तो यह 5500 से लेकर 7000 तक प्रतिमाह मिलती हैं। मिनी आंगनवाड़ी वर्कर की सैलरी 4250 से लेकर 5500 तक मिलती है तथा आंगनवाड़ी हेल्पर सैलरी 3250 से लेकर 4000 तक प्रति महीना होती है।

ये सेवाएं

प्री-स्कूल शिक्षा : आंगनवाड़ी सेंटर में प्री-स्कूल शिक्षा का विकास किया जाता है। यहां बच्चों को बेसिक शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक और कला-संस्कृति के आधार पर शिक्षा प्रदान की जाती है।

पोषण सेवाएं : आंगनवाड़ी में बच्चों के लिए पोषण सेवाएँ होती है। यहां बच्चों को सही आहार, पोषण और स्वस्थ खानपान के बारे में बताया जाता है।

मातृ देखभाल सेवाए : आंगनवाड़ी में मातृ देखभाल सेवाएँ भी मुहैया करवाई जाती है। यहां माताओं को गर्भावस्था के दौरान, प्रसव के समय, और प्रसव के बाद सही देखभाल और सलाह प्रदान दी जाती है।

आरोग्य सेवा : आंगनवाड़ी में आरोग्य सेवाएं भी उपलब्ध करवाई जाती है। यहां पर बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच की जाती है। आंगनवाड़ी में और भी कई तरह की सेवाएं उपलब्ध करवाई जाती है।

रोजगार पाने के ढेर सारे अवसर, अपनी पसंद का करियर बनाएं

आर्ट्स से 12वीं करने के बाद मिलते हैं सरकारी नौकरियों के अनेक अवसर

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

टीचिंग और एसएससी में मिलते बड़े अवसर

अगर आप किसी भी प्रकार की सरकारी नौकरी प्राइवेट नौकरी करना चाहते हैं तो उसके लिए 12वीं कक्षा को पास करना अनिवार्य होता है। विद्यार्थियों के लिए सरकारी नौकरी हमेशा ही एक लोकप्रिय विकल्प रहता है। ऐसे में देखा जाए तो 12वीं कक्षा करने के बाद बहुत सारी सरकारी नौकरी होती है जिन्हें हम कर सकते हैं और अपना बेहतर कैरियर बना सकते हैं, लेकिन कई नौकरियां ऐसी होती है जो स्ट्रीम के हिसाब से की जाती है। ऐसे में हम आपको 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने आर्ट्स के द्वारा 12वीं कक्षा पास की है उनके लिए सरकारी नौकरी के विकल्प लेकर आए हैं।

असिस्टेंट लोको पायलट

आर्ट्स से 12वीं कक्षा पास करने के बाद सरकारी नौकरी में असिस्टेंट लोको पायलट आता है। यह नौकरी उन लोगों के लिए होती हैं जो लोग 12वीं कक्षा के बाद रेलवे में सरकारी नौकरी करना चाहते हैं।

असिस्टेंट लोको पायलट बनने के लिए योग्यता

12वीं कक्षा उत्तीर्ण होने अनिवार्य है। उम्मीदवार को मैकेनिक या फिर ऑटोमोबाइल से 2 वर्ष डिप्लोमा प्राप्त करना अनिवार्य है। फिजिकल पूरी तरह से फिट होना जरूरी है। आंखों की रोशनी पूरी तरह से ठीक होनी चाहिए और व्यक्ति को कलर ब्लाइंडनेस की परेशानी ना हो।

असिस्टेंट लोको पायलट की तनख्वाह

असिस्टेंट लोको पायलट को शुरुआती समय में जो सैलरी मिलती है उसमें वेतन के अलावा उन्हें अन्य भत्ते भी दिए जाते हैं। अगर ओवरटाइम करते हैं तो एडवांस भी दिया जाता है। शुरुआती समय में 35000 तक तनख्वाह होती है।

पोस्टल असिस्टेंट

12वीं कक्षा आर्ट्स से उत्तीर्ण करने के बाद पोस्टल असिस्टेंट के पद पर भी कार्यरत किया जा सकता है। इसे डाक पोस्ट के नाम से भी जाना जाता है। यह पूरे ऑफिस के काम को मैनेज करता है।

योग्यता

- 12वीं कक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
- एसएससी सीएचएसएल की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।
- व्यक्ति की आयु 18 से 27 वर्ष के बीच होनी चाहिए।
- कंप्यूटर के ज्ञान के साथ-साथ पूरी तरह से टाइपिंग भी आनी चाहिए।

सैलरी

इस पद पर अगर आप काम करते हैं तो बेसिक सैलरी के साथ-साथ अन्य भत्ते भी दिए जाते हैं। इसमें शुरुआती सैलरी 20000 से 25000 तक होती है।

रेलवे क्लर्क

12वीं कक्षा आर्ट्स से उत्तीर्ण करने के बाद जो लोग सरकारी नौकरी करना चाहते हैं उनके लिए रेलवे क्लर्क बेस्ट ऑप्शन होता है। रेलवे क्लर्क का काम बहुत ही ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। वह इस बात को सुनिश्चित करता है कि रेलवे यार्ड में वैगन और कोच की कितनी संख्या है। इसके अलावा डॉक्यूमेंट तैयार करने का काम भी रेलवे क्लर्क का होता है।

योग्यता

12वीं कक्षा पास होना अनिवार्य है। आरआरबी एनटीपीसी की परीक्षा क्लियर करना अनिवार्य है। उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिएऔर अधिकतम आयु 30 वर्ष होनी चाहिए। एससी और एसटी वर्ग को आयु सीमा में 3 साल से 5 साल तक की छूट दी जाती है।

सैलरी

रेलवे क्लर्क पद पर अगर सैलरी की बात की जाए तो शुरुआती महीने में 28000 से लेकर 30000 तक की सैलरी दी जाती है।

फॉरेस्ट गार्ड

12वीं कक्षा पास करने के बाद आप फॉरेस्ट गार्ड की नौकरी अगर करना चाहते हैं तो इसके लिए आपको एग्जाम देना होता है। इसमें पास होने वाले विद्यार्थियों को जंगलों की सुरक्षा के लिए उसके पद पर तैनात कर दिया जाता है। अगर आप अपनी प्रकृति से अधिक प्रेम करते हैं तो आप इस तरह की नौकरी कर सकते हैं। इस पद पर आपको 30000 से लेकर 40 हजार रुपए तक की सैलरी दी जाती है।

रेलवे ग्रुप डी की नौकरी

रेलवे ग्रुप डी आरआरबी के द्वारा लेवल 1 का एग्जाम होता है जिसे क्लियर करना अनिवार्य होता है। यह रेलवे मंत्रालय के अधीन आता है इसीलिए केंद्रीय सरकार के अंतर्गत ही नौकरी करनी होती है। 12वीं कक्षा किसी भी स्ट्रीम से पास किया हुआ विद्यार्थी इसके लिए आवेदन कर सकता है। इसके लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए। वहीं अगर इसकी सैलरी की बात की जाए तो शुरुआती समय में अन्य भत्ते के साथ 22 से 25000 तक की सैलरी होती है।

गवर्नमेंट टीचर की नौकरी

आज के समय में बहुत सारे विद्यार्थी ऐसे हैं जो 12वीं कक्षा के बाद सरकारी नौकरी में गवर्नमेंट टीचर की नौकरी प्राप्त करना चाहते हैं। हालांकि सरकारी टीचर बनना बहुत ही ज्यादा मुश्किल होता है। इसके लिए सबसे पहले ट्रेनिंग कोर्स करना होता है इसके बाद कई एग्जाम देने के बाद सरकारी टीचर बन सकते हैं।

योग्यता

- 12वीं पास करना अनिवार्य है।
- विद्यार्थी को टीचर ट्रेनिंग का कोर्स किया होना चाहिए।
- टीचर एलिजिबिलिटी एग्जाम पास करना अनिवार्य है।
- विद्यार्थी को कंप्यूटर की जानकारी होना भी अनिवार्य है।

सैलरी

एक सरकारी टीचर की सैलरी उसके ऊपर निर्भर करती है कि उसका पद क्या है। अगर शुरुआती समय में गवर्नमेंट टीचर की सैलरी बात की जाए तो यह 20000 से लेकर 40000 तक होती है। उसके बाद अनुभव के साथ-साथ सैलरी बढ़ती जाती है। हमने कुछ नौकरी के बारे में आपको विस्तार पूर्वक बताया है लेकिन इस 12वीं कक्षा आर्ट्स के द्वारा पास करने के बाद आपके पास बहुत सारे विकल्प ऐसे होते हैं जिनका इस्तेमाल करके आप सरकारी नौकरी प्राप्त कर सकते हैं। हम आपको कुछ अन्य विकल्प के बारे में जानकारी देने जा रहे हैं।

एसएससी जीडी में नौकरी

कर्मचारी आयोग प्रत्येक वर्ष एसएससी जीडी परीक्षा को आयोजित करता है इसके जरिए विभिन्न विभाग में कांस्टेबल के पद पर भारती की जाती है जो व्यक्ति कांस्टेबल के रूप में नौकरी पाना चाहते हैं उनके लिए यह बेहतर ऑप्शन होता है इसमें निम्नलिखित ऑप्शन होते हैं।

- बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स
- सशस्त्र सीमा बल
- सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स
- इंडो तिब्बतन बॉर्डर पुलिस
- नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो में सिपाही
- सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स
- सेक्रेटेरिएट सिक्योरिटी फ़ोर्स
- राइफलमैन इन असम राइफल्स

इसके लिए छात्र दसवीं पास करने के बाद भी इस परीक्षा को दे सकता है। अन्यथा 12वीं पास करने के बाद भी परीक्षा दी जा सकती है। इसके लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 23 वर्ष होनी चाहिए। आरक्षित विद्यार्थियों को अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

12वीं कक्षा आर्ट्स करने के बाद क्या करें

12वीं कक्षा आर्ट्स उत्तीर्ण करने के बाद आप अपनी इच्छा के अनुसार अपने करियर का चुनाव कर सकते हैं। अगर आपको वर्दी पहनने का शौक है तो आप सेना या अर्ध सैनिक बल में जाकर देश की सेवा कर सकते हैं या फिर आप स्टेट पुलिस के लिए भी अप्लाई कर सकते हैं। इसी के साथ-साथ आप रेलवे में नौकरी अगर प्राप्त करना चाहते हैं तो उसके लिए ग्रुप डी के साथ-साथ कांस्टेबल की तैयारी भी कर सकते हैं। अगर आप चाहते हैं कि आप इस प्रकार की नौकरी करें जहां पर शारीरिक परिश्रम ना करना पड़े केवल ऑफिस का काम हो तो इसके लिए आप गवर्नमेंट विभाग में आने वाली एलडीसी भर्ती की तैयारी भी कर सकते हैं।

सोशल मीडिया हमारी जिंदगी का एक अहम हिस्सा, इसने खोले करियर के कई नए रास्ते

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

आज का युग डिजिटल युग है, और सोशल मीडिया हमारी जिंदगी का एक अहम हिस्सा बन चुका है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, और टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्म ने न केवल हमें दुनिया से जोड़ा है, बल्कि करियर के नए रास्ते भी खोले हैं। लेकिन, सोशल मीडिया का प्रभाव और करियर में शॉर्टकट की चाहत छात्रों के लिए एक दोधारी तलवार की तरह हो सकती है। यह लेख आपको प्रेरित करेगा कि सोशल मीडिया का सही उपयोग कैसे करें और शॉर्टकट की ललक को छोड़कर एक मजबूत और सार्थक करियर कैसे बनाएं। सोशल मीडिया ने छात्रों के लिए अनगिनत अवसर पैदा किए हैं। चाहे वह ऑनलाइन लर्निंग हो, स्किल डेवलपमेंट हो, या फिर नेटवर्किंग, सोशल मीडिया ने सीमाओं को तोड़ दिया है। आज आप यूट्यूब पर फ्री कोर्सेज के जरिए नई स्किल्स सीख सकते हैं, लिंक्डइन पर प्रोफेशनल्स से जुड़ सकते हैं, और इंस्टाग्राम पर अपनी क्रिएटिविटी दिखा सकते हैं।

मेहनत और लगन से मिलती है सफलता

कई छात्रों ने सोशल मीडिया का उपयोग करके अपने स्टार्टअप शुरू किए, फ्रीलांसिंग में कदम रखा, या फिर एक इन्फ्लुएंसर के रूप में अपनी पहचान बनाई। उदाहरण के लिए, कई यंग यूट्यूबर्स और इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर्स ने अपनी पढ़ाई के साथ-साथ कंटेंट क्रिएशन शुरू किया और आज लाखों की कमाई कर रहे हैं। लेकिन यहाँ एक महत्वपूर्ण बात है: इन लोगों ने मेहनत, लगन, और सही दिशा में काम करके सफलता हासिल की। सोशल मीडिया ने उन्हें एक मंच दिया, लेकिन उनकी मेहनत ने उस मंच को चमकाया।

शॉर्टकट की चाहत: एक खतरनाक जाल : सोशल मीडिया पर चमक-दमक देखकर कई छात्र यह सोचने लगते हैं कि सफलता का रास्ता आसान और तुरंत मिलने वाला है। इन्फ्लुएंसर्स की लग्जरी लाइफ, ट्रेंडिंग रील्स, और वायरल वीडियोज देखकर लगता है कि बस एक वीडियो बनाया और रातोंरात स्टार बन गए। लेकिन हकीकत इससे कहीं अलग है। शॉर्टकट की चाहत में कई छात्र अपनी पढ़ाई, स्किल डेवलपमेंट, और लॉन्ग-टर्म गोल्स को नजरअंदाज कर देते हैं। उदाहरण के तौर पर, कुछ छात्र फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए गलत तरीकों का सहारा लेते हैं, जैसे फेक फॉलोअर्स खरीदना या कॉपीराइट कंटेंट का इस्तेमाल करना। इससे न केवल उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठता है, बल्कि कानूनी परेशानियाँ भी हो सकती हैं। इसके अलावा, साइबर क्राइम जैसे फिशिंग, हैकिंग, या साइबरबुलिंग में फंसने का खतरा भी बढ़ जाता है। एक गलत कदम आपके करियर को बर्बाद कर सकता है।

सही दिशा में सोशल मीडिया का उपयोग : छात्रों, यह समझना जरूरी है कि सोशल मीडिया एक टूल है, न कि आपका गोल। इसे अपने करियर को मजबूत करने के लिए इस्तेमाल करें, न कि शॉर्टकट की तलाश में भटकने के लिए। यहाँ कुछ टिप्स हैं जो आपको प्रेरित करेंगे।

स्किल्स सीखें: सोशल मीडिया पर ढेरों फ्री और पेड कोर्सेज उपलब्ध हैं। चाहे वह कोडिंग हो, डिजिटल मार्केटिंग हो, या ग्राफिक डिजाइनिंग, अपने इंटरेस्ट के हिसाब से स्किल्स सीखें। उदाहरण के लिए, यूट्यूब पर **Coursera** या **Skillshare** जैसे प्लेटफॉर्म्स के फ्री ट्यूटोरियल्स देखें।

नेटवर्किंग करें: लिंक्डइन जैसे प्लेटफॉर्म्स पर इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स से जुड़ें। अपने प्रोजेक्ट्स और अचीवमेंट्स शेयर करें। यह आपको इंटर्नशिप्स और जॉब्स के लिए नए रास्ते खोलेगा।

वैल्यूएबल कंटेंट बनाए

क्रिएटिव बनें: अगर आप इन्फ्लुएंसर बनना चाहते हैं, तो ओरिजिनल और वैल्यूएबल कंटेंट बनाएं। उदाहरण के लिए, अगर आप साइंस के स्टूडेंट हैं, तो साइंस से जुड़े मजेदार एक्सपेरिमेंट्स शेयर करें। यह आपकी ऑडियंस को आकर्षित करेगा।

साइबर सिक्योरिटी का ध्यान रखें: सोशल मीडिया पर अपनी पर्सनल जानकारी सावधानी से शेयर करें। स्ट्रॉन्ग पासवर्ड्स और टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन का उपयोग करें। अगर आपको कोई साइबर क्राइम का शिकार बनाया जाता है, तो तुरंत **www.cybercrime.gov.in** पर शिकायत दर्ज करें।

लॉन्ग-टर्म गोल्स पर फोकस करें: सोशल मीडिया की चमक में अपनी पढ़ाई और करियर गोल्स को न भूलें। शॉर्टकट की जगह मेहनत और धैर्य को अपनाएं। सचिन तेंदुलकर या एलोन मस्क जैसे लोग रातोंरात सफल नहीं हुए; उनकी मेहनत और लगन ने उन्हें वहाँ पहुँचाया। आइए, एक भारतीय छात्र की कहानी से प्रेरणा लें। अनन्या, एक कॉलेज स्टूडेंट थी, जिसने लॉकडाउन के दौरान यूट्यूब पर इंग्लिश लर्निंग वीडियोज शुरू किए। उसने छोटे-छोटे टिप्स शेयर किए, जैसे कि इंग्लिश बोलने का डर कैसे दूर करें। उसकी मेहनत और कंसिस्टेंसी की वजह से आज उसके लाखों सब्सक्राइबर्स हैं, और वह एक ऑनलाइन कोचिंग प्लेटफॉर्म भी चलाती है। अनन्या ने सोशल मीडिया का सही उपयोग किया और शॉर्टकट की जगह अपनी स्किल्स पर भरोसा किया।

सामान्य ज्ञान

1. समुद्र पृथ्वी की सतह का लगभग _____ घेरे हुए है ।
(ए) 50%'
(बी) 60%'
(सी) 70%'
(डी) 80%'

2. कौन - सा सागर महासागरीय मरुभूमि के रूप में अभिहित किया जाता है ?
(ए) अरब सागर
(बी) सार्गैसो सागर
(सी) लाल सागर
(डी) चीन सागर

3. सार्गैसो सागर अवस्थित है -
(ए) प्रशांत महासागर में
(बी) उतरी अटलांटिक महासागर में
(सी) दक्षिणी अटलांटिक महासागर में
(डी) हिन्द महासागर में

4. तस्मान सागर किसके मध्य अवस्थित है ?
(ए) उत्तर व दक्षिण अमेरिका
(बी) भारत व श्रीलंका
(सी) ऑस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड
(डी) साइबेरिया व अलास्का

5. निम्नलिखित में से किस सागर की सीमाएं तीन महाद्वीपों को स्पर्श करती है ?
(ए) लाल सागर
(बी) बेरिंग सागर
(सी) भूमध्य सागर
(डी) अरब सागर

6. निम्नलिखित सागरों में से किसके चारों ओर समुद्री धाराएं प्रवाहित होती है ?
(ए) चीन सागर
(बी) जापान सागर
(सी) मारमारा सागर
(डी) सारगैसो सागर

7. काला सागर किस देश के दक्षिण में स्थित है ?
(ए) फ्रांस
(बी) रूस
(सी) तुर्की
(डी) इंग्लैंड

8. निम्नलिखित में कौन - सा देश काला सागर को स्पर्श नहीं करता है ?
(ए) रूस
(बी) कजाकिस्तान
(सी) यूक्रेन
(डी) मोल्दोवा

उत्तर 1.(सी) 2.(बी) 3.(बी) 4.(सी) 5.(सी) 6.(डी) 7.(बी) 8.(बी)

मेहंदी, ड्राइंग, पतंग बनाना, छाता सजाओ प्रतियोगिताओं का आयोजन

दा आकवुड स्कूल में पारंपरिक उत्साह व उमंग के साथ मनाया तीज महोत्सव

रैंप वॉक प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने दिखाया अपना हुनर

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

द ऑकवूड स्कूल में तीज का पर्व पारंपरिक उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने रंग बिरंगे पारंपरिक परिधानों में विद्यालय पधारकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर व पुष्प अर्पित कर की गई। तत्पश्चात छात्राओं ने लोक गीतों की धुन पर नृत्य की शानदार प्रस्तुतियां देकर विद्यालय प्रांगण को संगीतमय बना दिया। स्कूल प्रांगण को झूले, बंदरवाल व रंगोलिया से बेहद खूबसूरत तरीके से सजाया गया, जिससे पूरा वातावरण खुशी व उमंग से भरपूर दिखाई दिया।

इस अवसर पर विक्रम राणा ने तीज के सांस्कृतिक और पारंपरिक महत्व पर प्रकाश डाला और छात्रों को इस पर्व के ऐतिहासिक महत्व और महिलाओं के जीवन में इसके योगदान के बारे में बताया। मुख्य आकर्षण छात्राओं द्वारा प्रस्तुत हरियाणवी, पंजाबी और राजस्थानी लोक नृत्य रहे। कक्षा नर्सरी से दसवीं तक के सभी विद्यार्थियों ने इस उत्सव में किसी ना किसी रूप में अपनी सहभागिता की। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी करवाया गया, जिसमें मेहंदी प्रतियोगिता, ड्राइंग कंपटीशन, पतंग बनाना, छाता सजाओ, लोकगीत नृत्य, रैंप वॉक आदि अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया गया। तत्पश्चात सभी बच्चों को पारस्परिक सहभोज के लिए आमंत्रित किया गया। सभी बच्चों व आचार्य वर्ग ने तीज़ उत्सव की विशेष पहचान झूलो का आनंद लिया।

भिवानी। तीज पर्व की पूर्व संध्या पर आयोजित कार्यक्रम में झुल्ला झूलते बच्चे।

श्री बालाजी स्कूल कलिंगा में धूमधाम से मनाया तीज का पर्व

भिवानी। गांव कलिंगा स्थित श्री बालाजी सीनियर सैकेंडरी स्कूल में हरियाली तीज के उपलक्ष में तीज महोत्सव बड़ी धूमधाम से और हर्षोल्लास से मनाया गया। हर वर्ष सावन माह की शुक्ल पक्ष की तृतीया को यह त्यौहार मनाया जाता है। इस अवसर पर विद्यालय में मेहंदी प्रतियोगिता और पतंग बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। साथ ही नन्हे -मुन्ने को झूला झुलाकर रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। मेहंदी प्रतियोगिता में कक्षा 12वीं से चिंका ने प्रथम स्थान, दीया कक्षा 9वी ने द्वितीय स्थान तथा कक्षा 11वीं से कशिश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पतंग बनाओ प्रतियोगिता में मोक्ष और निशांत कक्षा आठवीं से प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर एक पेड़ मां के नाम मुहिम के तहत सभी बच्चों ने पेड़ लगाकर प्रकृति को बचाने का संदेश भी दिया। प्राचार्य बजरंग तंवर तथा संचालिका रेणुका शर्मा ने बच्चों को तीज की शुभकामनाएं दी और उनकी जीत पर आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि तीज जैसे त्यौहार भारतीय संस्कृति के परिचायक है तथा हमे अपनी संस्कृति से जुड़े रहने का भी अवसर देते है। जिससे हम अपनी परंपराओं के ओर भी नजदीक आते है। इस अवसर पर समस्त स्कूल स्टाफ सदस्य व विद्यार्थी मौजूद रहे।

मेहंदी प्रतियोगिता में ओनसी ने मारी बाजी

मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम ओनसी, द्वितीय आरती, तृतीय सृष्टि अंब्रेला डेकोरेशन में प्रथम पलक, द्वितीय हैरी तथा हरमन और तृतीय मयूर ड्राइंग प्रतियोगिता में प्रथम कनिष्क, द्वितीय भावी, तृतीय तेजस और काइट मेकिंग में प्रथम सिद्धार्थ, द्वितीय मुकुल व इशांत तथा तृतीय स्थान पर कनिष्क व दृष्टि रहे। अंत में विद्यालय निदेशक दिनेश सिंह कार्यकारिणी सदस्य विक्रम राणा तथा मानवेंद्र जी व प्राचार्य सज्जन भारद्वाज ने सभी बच्चों को तथा अध्यापकगण को इस पर्व की शुभकामनाएं दी तथा कार्यक्रम को शानदार रूप से मनाने के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

बीईओ को सौंपा ज्ञापन

■ अध्यापकों एवं कर्मचारियों से गैर शैक्षणिक कार्य नहीं करवाने की मांग रखी

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा के कार्यकारी खंड शिक्षा अधिकारी जयबीर के माध्यम से अतिरिक्त मुख्य मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग को कर्मचारियो ने ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन देने वालों में राजबीर, रामनिवास, संदीप पुनिया, संतु सिंह, हरफूल सिंह, विजय, कैलाश आदि ने बताया कि जो नई शिक्षा नीति के तहत एसएमसी मर्जिंग, विद्यालय मर्जिंग एवं अध्यापकों एवं कर्मचारियों से गैर शैक्षणिक कार्य कराया जाता है इस पर अकुश लगाया जाए। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा प्रतिदिन नए नए प्रयोग किए जा रहे हैं जो उचित नहीं है। शिक्षकों की एसीपी, चिकित्सा प्रतिपूर्ति सहित अन्य कार्य पेंडिंग है। इसके अलावा अन्य मांगों को लेकर उन्होंने कार्यकारी बीई को ज्ञापन सौंपा और मांगे पूरी करवाने का आहवान किया।

बवानीखेडा। बवानी खेड़ा के कार्यकारी खंड शिक्षा अधिकारी जयबीर के माध्यम से अतिरिक्त मुख्य मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग को कर्मचारियो द्वारा ज्ञापन सौंपते हुए।

हलवासिया विद्या विहार के वरिष्ठ विभाग में धमनाया तीजोत्सव

■ मेहंदी एवं कुकिंग विदाउट फायर जैसी प्रतियोगिताएँ में बच्चों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

हलवासिया विद्या विहार के वरिष्ठ विभाग में एकलव्य सदन के अंतर्गत हरियाली तीज मनाई। इस अवसर पर मेहंदी एवं कुकिंग विदाउट फायर जैसी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत में छात्रा अनन्या, इवा अंचल, नंदिनी, वंशिका, निकिता, जिज्ञासा, गुंजन व मानसी द्वारा प्रस्तुत मनमोहक नृत्य से हुई। प्रतियोगिताओं में निर्णायक मंडल की भूमिका आचार्या बिजयलक्ष्मी, मोनिका महता,ज्योति एवं सोनिया ने निभाई। मेहंदी प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे-कक्षा दसवीं की छात्रा इशिका ने प्रथम स्थान, कक्षा बारहवीं की छात्रा तनु ने द्वितीय स्थान, कक्षा नौवीं की छात्रा माही एवं कक्षा बारहवीं की छात्रा निधि ने भी तृतीय स्थान तथा कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा नैंसी एवं अक्षिता ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

मुंगीपा विद्यापीठ विद्यालय में हरियाली तीज मनाई

तोशाम। गांव बुशाण के बाबा मुंगीपा विद्यापीठ वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में हरियाली तीज पर्व के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें स्कूली बच्चों ने विभिन्न क्रियाकलापों में बड़े उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। इस दौरान कक्षा नर्सरी से पांचवी तक के बच्चों ने झूला झूल कर आनंद उठाया तो वहीं कक्षा छठी से 12वीं के बच्चों ने हरियाली तीज के उपलक्ष में पोस्टर बनाए तथा ड्राइंग प्रतियोगिता में भाग लिया, वहीं विद्यालय की लड़कियों ने मेहंदी प्रतियोगिता में भाग लेते हुए बड़े हर्ष के साथ सुंदर-सुंदर मेहंदी रचाई। विद्यालय के सीईओ डॉ नरेश जांगड़ा ने उपस्थित विद्यार्थियों व स्टाफ सदस्यों को हरियाली तीज पर्व की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य प्रमोद दीक्षित आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

गांव में महिलाओं को किया जागरूक

चरखी दादरी। महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशों पर जिला में भ्रूण हत्या रोकथाम के लिए जागरूकता माह चलाया जा रहा है, जिसके तहत विभाग की ओर से जिला के उन गांवों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जहां लिंगानुपात ठीक नहीं है। इसी कड़ी में शुक्रवार को जिला के बिजना गांव में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध हरियाणवीं कलाकार कुलदीप उर्फ केडी व उनकी पत्नी ममता शामिल हुई।

बीआर संस्था में एकल नृत्य प्रतियोगिता

चरखी दादरी। बीआर शिक्षण संस्था द्वारा संचालित आईपीएस स्कूल में हरियाणवी संस्कृति पर आधारित भव्य एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में तीसरी से आठवीं के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों को हरियाणा की समृद्ध लोक संस्कृति से जोड़ना और उनमें कलात्मक प्रतिभा को निखारना था। कार्यक्रम में विद्यालय के चेयरमैन कृष्ण भारद्वाज मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुए। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने हरियाणवी लोकगीतों पर आधारित मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां दीं। उनके ऊर्जावान प्रदर्शन और पारंपरिक वेशभूषा ने सभी का मन मोह लिया।

ज्ञान भारती स्कूल में लगाए पौधे

■ विद्यार्थियों को अपने-अपने मोहल्लों में लगाने के लिए पौधे वितरित किए

हरिभूमि न्यूज ⏭बहल

ज्ञान भारती पब्लिक स्कूल में पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों व अध्यापकों ने विद्यालय परिसर के अलावा आसपास के क्षेत्र में सैंकड़ों पौधे लगाए गए।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को अपने अपने मोहल्लों में लगाने के लिए पौधे वितरित किए गए। उनसे कहा गया कि वे पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगों का प्रेरित करें। शुक्रवार को विद्यालय में पौधारोपण अभियान की शुरूआत प्राचार्य सुमन बाला ने की। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि प्रकृति के बिगड़ते संतुलन को बनाए रखने का एक ही उपाय है कि ज्यादा से ज्यादा पेड़ बनें। विद्यार्थियों का यह दायित्व है कि वो जिस पौधे को रोपित करते हैं, उसकी सही तरीके से देखभाल करें ताकि वह वृक्ष का रूप ले सकें। विद्यालय चेयरमैन गोबिंदराम चौधरी ने कहा कि प्रकृति ने मानव जीवन के लिए बहुत कुछ दिया है। लेकिन, हमनें अपनी सुख सुविधाओं की चाह में प्रकृति का संतुलन बिगाड़ा है। अब भी समय है जब जल, जंगल और जमीन का संरक्षण कर हम प्रकृति को बचाएं।

बहल। पौधारोपण अभियान की शुरूआत करते हुए ज्ञान भारती स्कूल के विद्यार्थी व स्टाफ सदस्य। फोटो: हरिभूमि

चारदीवारी का निर्माण कार्य रुकवाया

■ निर्माण कार्य में अनियमितताओं को लेकर सामाजिक संगठनों के सदस्यों ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭बहल

शहीद भगत सिंह स्मारक की बनाई जा रही चारदीवारी व रैलिंग में बरती जा रही अनियमितताओं को लेकर सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने आपत्ति जताई है। संगठनों से जुड़े युवाओं ने मौके पर जाकर शहीद स्मारक पर प्रयोग की जा रही सामग्री की जांच की। ईंटों की गुणवत्ता सही नहीं पाए जाने पर युवाओं ने स्मारक की चहारदीवारी निर्माण का काम रुकवा दिया।

युवाओं ने इस संबंध में पंचायत मंत्री, जिला उपायुक्त व एसडीएम लोहारू के नाम खंड विकास कार्यालय में ज्ञापन दिया। ज्ञापन में कहा गया कि जिस तरह की लापरवाही का नमूना शहीद भगत सिंह स्मारक की चहारदीवारी के निर्माण में आया है, वो न केवल शहीदों के अपमान होने के बराबर है वरन आमजन की भावना आहत हुई है। इस स्मारक का निर्माण खंड विकास कार्यालय के सामने हो रहा है लेकिन फिर भी संबंधित अधिकारी आंखें मूंदे हुए हैं। ऐसे में इन अधिकारियों व कर्मचारियों की मिलीभगत से इंकार नहीं किया जा सकता है। युवाओं ने मांग की कि इस मामले की उचित जांच कर इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

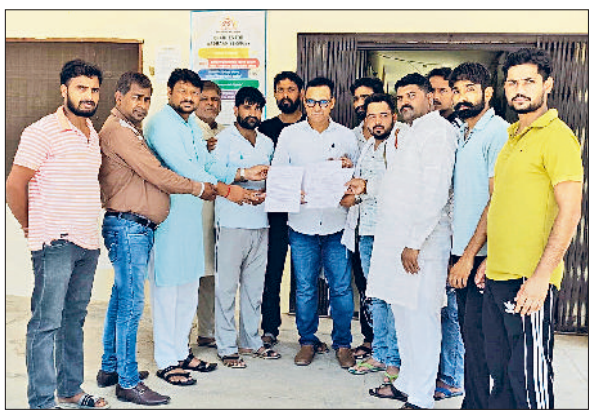

बहल। स्मारक निर्माण में घटिया सामग्री की जांच के लिए ज्ञापन देते हुए बहल के युवा।

घटिया सामग्री का प्रयोग

युवाओं ने कहा कि शहीद भगत सिंह की प्रतिमा बहल क्षेत्र के लोगों की लंबी मांग के बाद स्थापित हुई थी। अब इसके संरक्षण के लिए सरकार द्वारा 7.32 लाख रुपये की राशि जारी की है जिससे चहारदीवारी व अन्य काम किए जाने हैं। लेकिन, अधिकारी व ठेकेदार इस काम में भी भ्रष्टाचार की मंशा से इसमें घटिया सामग्री लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मामले में उचित कार्रवाइर नहीं हुई तो बहल युवा एकता संगठन से जुड़े लोग जनसमर्थन से आंदोलन करेंगे।

बवानीखेड़ा। गांव लोहारी जाटू के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन में उपस्थितजन। फोटो: हरिभूमि

लोहारी जाटू के राजकीय कन्या विद्यालय में युवा सांसद कार्यक्रम का आयोजन

बवानीखेड़ा। गांव लोहारी जाटू के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में युवा सांसद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्राचार्या पुष्पा जोशी ने की। इस कार्यक्रम में गांव के सरपंच मुकेश कुमार व स्टाफ सदस्यों ने बच्चों द्वारा प्रश्नकाल में प्रस्तुत किए गए ज्वलंत मुददे जिसमें शिक्षा, आतंकवाद, महंगाई, अहमदाबाद विमान हादसा पर चर्चा की। कार्यक्रम में विकास कुमार, नरेश कुमार, अंजू कुमारी ने निर्णायक मंडल की भूमिका अदा की। कार्यक्रम में दुगावती, सोनू ने भी अपनी विशेष भूमिका अदा की। कार्यक्रम में विपक्ष ने पक्ष को अनेक मुददों पर घेरा। वहीं प्राचार्या ने बताया कि विभाग की इस अनूठी पहल से बच्चों में साहस बढता है और वे जीवन में नया आयाम स्थापित करते हैं।

बवानीखेड़ा। गांव लोहारी जाटू में लाइब्रेरी की शुरूवात करते हुए विधायक कपूर वाल्मीकि। फोटो: हरिभूमि

लोहारी जाटू में लाइब्रेरी की शुरुआत कर विधायक ने कहा इससे नई जागृति आएगी

बवानीखेड़ा। गांव लोहारी जाटू में सविन्द्र फौजी द्वारा विद्यार्थियों के लिए लाईब्रेरी की शुरूवात करने विधायक कपूर वाल्मीकि अपने बड़े भाई समाजसेवी मा. राजेश वाल्मीकि व छोटे लाडले भाई राकेश वाल्मीकि संग पहुंचे। उनका ग्रामीणों ने स्वागत किया। उन्होंने बताया कि गांव में मेरिन्स लाईब्रेरी एंड सेल्फ स्टडी सैंटर की शरूवात की गई है। इससे विद्यार्थियों को व युवाओं को काफी फायदा मिलेगा। युवा इस लाइब्रेरी से बढ़कर नया आयाम स्थापित करेंगें और उनके नई जागृति आएगी। उन्होंने सविन्द्र फौजी के भी कार्य की जमकर सराहना की।

केएम स्कूल में तीज उत्सव मनाया और स्टॉल्स लगाए

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

के. एम.पब्लिक स्कूल में सेठ किरोड़ीमल चैरिटी ट्रस्ट के तत्वावधान में विभिन्न संस्थाओं में तीज उत्सव बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। तीज उत्सव की शुरुआत अनीता जितेन्द्र गोयल, शारदा आनंद बासिया तथा विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष मनीष सिंघानिया के कर-कमलों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय परिसर में कक्षा नर्सरी से बारहवीं तक के छात्राओं व माताओं को आमंत्रित किया गया। विद्यालय में अध्यापिकाओं के द्वारा विभिन्न सामानों के सुसज्जित स्टॉल्स लगाए गए। इसके अतिरिक्त माताओं व छात्राओं के लिए झूले व खानपान के स्टॉल्स की व्यवस्था भी की गई। अभिभावकों ने तीज के कार्यक्रम का आनंद उठाया और झूला झूले। जगह-जगह पर सेल्फी कॉर्नर पर सेल्फी ली तथा व्यंजनों का लुत्फ़ उठाया। छात्राओं व उनकी माताओं ने स्टॉल्स पर जाकर खरीदारी भी की।

माताओंने विद्यालय प्रबंधन समिति की इस अनूठी पहल पर प्रबंधन समिति की प्रशंसा की। विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष मनीष सिंघानिया, सचिव राजेश मोडा,ट्रस्टी मयंक मोड़ा, प्रबंधक आनंद बासिया, समिति सदस्य जितेंद्र गोयल,प्राचार्या रेनूसैनी, उप-प्राचार्या नीलम गौतम आदि मौजूद रहे।

भिवानी। स्कूल में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ करवाते हुए।

बच्चों को स्वर्णप्राशन का सेवन करवाया

बाढ़ड़ा। आयुष्मान आरोग्य मंदिर रुदडोल में शुक्रवार को जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ राकेश वशिष्ठ के मार्गदर्शन व आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ भूपेंद्र चांदवास ने निर्देशन में बच्चों को निःशुल्क स्वर्णप्राशन का सेवन करवाया गया। इस अवसर पर आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ भूपेंद्र चांदवास ने बताया कि स्वर्णप्राशन बालकों के लिए एक तरह से आयुर्वेदिय रोग प्रतिरोधक एवं बलवर्धक उपाय होता है। जिसमें बालकों को शुद्ध स्वर्ण,घृत,मधु,तथा अन्य महत्वपूर्ण आयुर्वेदिक औषधियों के मिश्रण को पुष्य नक्षत्र के दिन चटाया जाता है। डॉ भूपेंद्र ने बताया कि स्वर्णप्राशन बालकों के शारीरिक एवं मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सूचना

मैं, सन्दीप कुमार पुत्र श्री मनोहर लाल निवासी महाराणा तहसील व जिला चरखी दादरी, बयान करता हूं कि मेरी पत्नी पुष्पा रानी मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सूचना

मैं, रामफूल पुत्र हरिराम निवासी हिण्डोल तहसील व जिला चरखी दादरी बयान करता हूं कि मेरा पुत्र प्रमोद व पुत्रवधु ज्योति मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पति से बेदखल करता हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

इश्तहार अखबार

बा अदालत जनाब सब डिविजनल आफिसर (नागरिक) भिवानी।

देवाराम उर्फ देवी राम पुत्र बदलु पुत्र हुन्ता निवासी गांव कोहाड़, भिवानी तहसील व जिला भिवानी।

बनाम

1-अमर सिंह (मृतक) पुत्र खेम चन्द बजरिये वारिसान ए ओमली विधवा, बी- राम सिंह, सी-विनोद पुत्रान डी- आशा पुत्री अमर सिंह पुत्र खेम चन्द, निवासीयान गांव कोहाड़, भिवानी तहसील व जिला भिवानी।

2-गजे सिंह उर्फ मगेज (मृतक) पुत्र खेम चन्द बजरिये वारिसान, 2-बी-राम सिंह, सी-विनोद पुत्रान डी- आशा पुत्री अमर सिंह पुत्र खेम चन्द व, 3-बी अशोक, सी मामराण, डी-महेन्द्र, ई- नरेश, एफ-रविन्द्र, जी-रिंकु पुत्रान च-रेखा, आई-कमलेश, जे-शीतल पुत्रियान किशनसिंह पुत्र खेम चन्द, निवासीयान गांव कोहाड़, भिवानी तहसील व जिला भिवानी। (उत्तरवादीगण नं0. 1 बी ता 1 डी व 3 बी ता 3 जे)

3- किशन सिंह (मृतक) पुत्र खेम चंद बजरिए वारसान ए- भवरी विधवा, ए बी- अशोक सी- मामराण, डी- महेन्द्र, ई- नरेश, एफ-रविन्द्र, जी-रिंकु पुत्रान एच- रेखा, आई- कमलेश जे- शीतल पुत्रियान किशनसिंह पुत्र खेम चन्द, निवासीयान गांव कोहाड़, भिवानी तहसील व जिला भिवानी।

4-गुगन (मृतक) पुत्र हुकम चन्द पुत्र टोडामल बजरिये वारिसान ए- राजभान पुत्र गुगन पुत्र हुकम चन्द, निवासी गांव दिनोद, भिवानी तहसील व जिला भिवानी।

5-श्रीमति जानकी विधवा बदलू (मृतक) बजरिये वारिसान ए- जगदीश, बी- औमप्रकाश पुत्रान सी-श्रीमति सावित्री, डी- मुन्नी, ई- बाला पुत्रियान बदलु पुत्र हुन्ता,

6- प्रहलाद पुत्र बिशना पुत्र हुन्ता (मृतक) बजरिये वारिसान ए- शकुन्तला विधवा धर्मपाल पुत्र प्रहलाद, बी-मीना पुत्री धर्मपाल पुत्र प्रहलाद, सी- विजय पुत्र फुल सिंह पुत्र प्रहलाद, डी- राजु पुत्र फुल सिंह पुत्र प्रहलाद, ई- उर्मिला पुत्री फुल सिंह पुत्र प्रहलाद, एफ- आशा पुत्री फुल सिंह पुत्र प्रहलाद, जी- सरोज पुत्री फुल सिंह पुत्र प्रहलाद, एच- कौशल्या विधवा जय सिंह पुत्र प्रहलाद, आई-सुरेन्द्र पुत्र जय सिंह पुत्र प्रहलाद, जे- सतीश पुत्र जय सिंह पुत्र प्रहलाद, के- शीला पुत्री जय सिंह पुत्र प्रहलाद, एल- दर्शन पुत्री जय सिंह पुत्र प्रहलाद, निवासीयान गांव कोहाड़, भिवानी तहसील व जिला भिवानी। ....फरीक

दोयमगण/उत्तरवादीगण

दरखास्त फक उल रहन अराजी खेवट / खसरा नं0. 629// 575 खतौनी नं०. 993 खसरा/किला नम्बरान 23//14/2(2-4), 15/1(5-1), किते 2 कुल तादादी 7 कनाल 5 मरले वाका मौजा गांव कोहाड़, भिवानी, तहसील व जिला भिवानी मुताबिक जमाबन्दी साल 2018-2019 बाअदायगी 230/- रूपये। बर बिनाये शहादत तहरीरी व तकरीरी ही किस्म।

चूंकि उपरोक्त अनवान बाला केस में उत्तरवादीगण की तामिल साधारण तरीके से व मुनादी द्वारा नहीं हो सकी इसलिए इश्तहार अखबार द्वारा इतला दी जाती है कि वह दिनांक 08-08-2025 को प्रातः 10:00 बजे असालतन या वकालतन, मुख्त्यारतन हाजिर आवें। अन्यथा आपके खिलाफ कार्यवाही यकतरफा अमल में लाई जावेगी।

आज दिनांक 16-07-2025 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर न्यायलय द्वारा जारी किया गया।

Sd/- Collector, Bhiwani जिला भिवानी।

पशुओं की देखभाल के साथ पर्यावरण की सुरक्षा भी करें

पशु चिकित्सालय गोशाला में की त्रिवेणी रोपित

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

पशुपालन एवं डेयरिंग विभाग भिवानी ने पशु कल्याण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। पशुपालन एवं डेयरिंग विभाग के उप निदेशक डा. रविंद्र सहरावत ने पशुपालन विभाग के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को लिखित में आदेश दिए थे कि सभी पशु संस्थाओं में 25 जुलाई को त्रिवेणी रोपित की जाए, ताकि पर्यावरण को शुद्ध व स्वच्छ बनया जा सकें। उनके आदेशों की पालना करते हुए शुक्रवार को स्थानीय महम रोड़ स्थित पशु चिकित्सालय गौशाला द्वारा त्रिवेणी रोपण की शुरूआत की गई।

इस पहल का उद्देश्य ना केवल गौशाला परिसर को हरा-भरा बनाना है, बल्कि पर्यावरण संतुलन में भी महत्वपूर्ण योगदान देना है। इस मौके पर पशु चिकित्सक विजय सनसनवाल ने कहा कि पशुपालन विभाग का कार्य केवल पशुओं की देखभाल तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें पर्यावरण की सुरक्षा और संवर्धन भी शामिल है। उन्होंने बताया कि त्रिवेणी का रोपण भारतीय संस्कृति में अत्यंत शुभ माना जाता है और यह तीनों वृक्ष ऑक्सीजन का प्रचुर स्त्रोत होने के साथ-साथ कई औषधीय गुणों से भी युक्त हैं।

भिवानी। चिकित्सालय गौशालय परिसर में पौधारोपित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

वातावरण को शुद्ध रखते हैं पेड़ पौधेः बुवानीवाला

इस दौरान महम रोड़ स्थित गौशाला के प्रांगण में श्रीगौशाला ट्रस्ट भिवानी के प्रधान मोहनलाल बुवानीवाला, डा. विजय सनसनवाल व गौशाला विस्तार अधिकारी मोहनलाल ने पशु चिकित्सालय के स्टाफ के साथ त्रिवेणी रोपण का कार्य किया गया। इस मौके पर प्रधान मोहनलाल बुवानीवाला ने कहा कि वे हर वर्ष पौधारोपण का कार्य करवाते है, क्योंकि गौशाला में गर्मी के दिनों में गायों के लिए ये पौधें बहुत बढ़िया छांव देते है तथा वातावरण भी शुद्ध रखते है। उन्होंने कहा कि यह पहल अन्य गौशालाओं और पशुपालकों को भी पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करेगी। इस कदम से यह स्पष्ट होता है कि पशुपालन एवं डेयरिंग विभाग पशु सेवा के साथ-साथ पर्यावरणीय जिम्मेदारी को भी गंभीरता से ले रहा है।

खबर संक्षेप

अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ की बैठक

भिवानी। अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ कि बैठक जिला सचिव अशोक कुमार की अध्यक्षता में बिजली बोर्ड प्रांगण में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान बिजली विभाग में कार्यरत हरीदास ग्रोवर, महाराम, दीपक, योगेन्द्र, राजबीर, बिल्लू तालू व हेमंत ने सर्व कर्मचारी संघ को छोड़ कर वापस अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ की सदस्यता ग्रहण की। सभी नवआगंतुक सदस्यों का जिला प्रधान ईमरान बापोड़ा ने फूलमालाओं के साथ स्वागत किया।

वाहन की टक्कर से युवक घायल

लोहारू। गांव सेहर की नजदीक एक गाड़ी की टक्कर से घायल हुए सेहर निवासी नरेश की शिकायत पर लोहारू थाना पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस को दिए बयान में सेहन निवासी नरेश ने बताया कि वह 19 जुलाई की रात को अने खेत से घर की ओर जा रहा था। इस दौरान तेज गति से आए एक वाहन उसे टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया।

जेबीडीएम स्पेशल स्कूल में मनाया तीज उत्सव

तोशाम। गांव सरल स्थित जेबीडीएम स्पेशल स्कूल व समावेशी विद्यालय में शुक्रवार को संस्था निदेशक सुनील सूरा के द्वारा दिव्यांग व सामान्य बच्चो को झूला-झुलाकर हरियाली तीज का त्यौहार मनाया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि तीज का त्यौहार सावन महीने की तृतीया को मनाया जाता है क्योकि सावन के महीने में रिम-झिम बूंदो के कारण चारो तरफ हरियाली ही हरियाली होती है। इस मौके पर हरियाली तीज कार्यक्रम के साथ स्कूल की छात्रा अंशिका का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया।

कारगिल विजय दिवस पर किया शहीदों को सलाम

भिवानी। हनुमान ढाणी स्थित विवेकानंद हाई स्कूल में नेताजी सुभाष चंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति एवं सदाचार शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वावधान में कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या बड़े ही गर्व और श्रद्धा के साथ मनाई गई। यह दिवस देश की एकता, अखंडता एवं सैन्य पराक्रम को समर्पित रहा, जिसमें विद्यार्थियों ने राष्ट्रध्वज तिरंगे और सेना की वर्दी के साथ देशभक्तों को नमन करते हुए कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी।

रोजगार व्यावसायिक मार्गदर्शन सप्ताह संपन्न

चरखी दादरी। जिला रोजगार कार्यालय व उपमंडल रोजगार कार्यालय स्तर पर 21 से 25 जुलाई तक व्यावसायिक मार्गदर्शन सप्ताह मनाया गया। जिसके माध्यम से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, काकडौली सरदारा, राजकीय वरीष्ठ माध्यमिक विद्यालय, काकडौली हुक्मी, केएन स्कूल, एकलव्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बाढडा में कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें लगभग 500 विद्यार्थियों को व्यावसायिक मार्गदर्शन प्रदान किया।

तीज पर्व उत्साह के साथ मनाया

बाढड़ा। गांव कारी दास स्थित राजकीय प्राथमिक पाठशाल में तीज पर्व के अवसर पर मास्टर अनिल कुमार की अगुवाई में बच्चों ने इसे पूरे उत्साह के साथ मनाया। विद्यालय परिसर में डाले गए झूले का आनंद सभी नन्हे मुन्नों ने लिया। अध्यापक सुदंरपाल फौगाट ने बताया कि यह त्योहार बच्चों के लिए खुशियों और उमंग का त्योहार है। यह त्योहार अपनी संस्कृति और परंपराओं से परिचित कराता है।

जीवन को जानने का श्रेष्ठ साधन है भगवत गीता

भिवानी। भगवत गीता का नियमित स्वाध्याय करना हमारे जीवन को एक नई ऊर्जावान दिशा की ओर ले जाने में सहायक है तो है ही बल्कि भगवत गीता हमें नियमित योग मर्यादा अनुशासन और सत्य असत्य में अंतर भी स्पष्टता से समझने में सहायता करती है। इस अवसर पर बच्चों ने सबसे पहले योग अभ्यास किया।

किसान सभा भिवानी के प्रतिनिधिमंडल ने सागवान गांव के खेतों का किया दौरा

ड्रेन ओवरफ्लो होने से सागवान गांव की 300 एकड़ फसल हुई पूरी तरह से बर्बाद

भिवानी। पानी की निकासी की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो: हरिभूमि

गांव में पानी घुसने का खतरा, उठाई समाधान की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। गांव में ड्रेन के ओवर होने के बाद खेतों में जमा पानी। फोटो: हरिभूमि

अखिल भारतीय किसान सभा भिवानी के प्रतिनिधिमंडल ने सागवान गांव के खेतों का दौरा किया और दांग कलां की तरफ से जल भराव को देखा। जिसमें निगाणा फीडर की दो मोरियों से पानी निकलकर सागवान गांव की तरफ बढ रहा है तथा दूसरी और भिवानी घघर ड्रेन ओवर फ्लो होकर दांग कला से होकर सागवान गांव के खेतों में जलभराव बढ़ रहा है तथा दोनों कारणों से करीब गांव की 300 एकड़ जमीन पर खड़ी कपास व धान की फसल पूरी तरह से बर्बाद हो गई है और पानी पूर्व दिशा में गांव की तरफ बढ रहा है। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किसान सभा के जिला उपप्रधान कामरेड ओमप्रकाश ने किया तथा उन्होंने बताया कि इस समय निगाणा फीडर में पीछे से कई गांव में भरे जलभराव को उतारने के लिए पानी डाला जा रहा है। दांग कला और सागवान गांव की जमीन में सिंचाई विभाग को निगाणा फीडर की मोरियां बंद करवानी चाहिएं थी और पीछे के पानी का आगे लिफ्ट सिंचाई से लोहारू, तोशाम या अन्य रेतिले इलाकों में भेजना चाहिए था। पीछे जल भराव को कम करने के उद्देश्य से सागवान में इन मोरियों ने जलभराव कर दिया। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर समय रहते जिला प्रशासन व सिंचाई विभाग ने भिवानी घघर ड्रेन की कैपेसिटि नहीं बढ़ाई तथा उसके किनारों को मजबूत नहीं किया, उसी का खामियाजा आज किसानों को भुगतना पड़ रहा है। इसमें आए बजट का गोलमाल करने की बात से इन्कार नहीं किया जा सकता है।

प्रशासन से मदद करने की मांग

कामरेड ओमप्रकाश ने आरोप लगाया कि बवानीखेड़ा व भिवानी तहसील के कई गांव में भारी जलभराव की जो घटना हुई है, वह जिला प्रशासन व संबन्धित विभाग के आला अधिकारियों की लापरवाही व विफलता से हुआ है। इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच राज्य सरकार को करानी चाहिए। यदि समय रहते ड्रेनों एव नहरों की सफाई करवाई जाती तथा ड्रेनों की कैपेसीटी क्षमता बढ़ाई जाती तो इन इलाकों के किसानों की बर्बादी रोकी जा सकती थी। उन्होंने राज्य सरकार व जिला प्रशासन से मांग की है कि निगाणा नहर की दोनों मोरियों को बंद किया जाए, खेतों में भरे जल भराव की निकासी शीघ्र हो, विशेष गिरदावरी कराकर 50 हजार रुपये प्रति एकड़ बर्बाद फसलों का मुआवजा दिया जाए, फसल क्षतिपूर्ति पोर्टल को खोला जाए तथा राज्य की सिंचाई मंत्री जिला भराव गांव का दौरा करे व किसानों की मदद करें।

भिवानी। मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो: हरिभूमि

मांगों को लेकर सौंपा अधिकारी को ज्ञापन

भिवानी। स्वास्थ्य विभाग अधिकारी-कर्मचारी तालमेल कमेटी भिवानी के सदस्यों ने अध्यक्ष डा. मनीष श्योराण की अध्यक्षता में पीएमओ डा. बलवान सिंह के माध्यम से सीएमओ डा. रघुबीर शांडिल्य को मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, मुख्य सचिव हरियाणा सरकार, अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा सरकार, महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, एमडीएनएचएम हरियाणा सरकार, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन हरियाणा के निदेशक के नाम मांग पत्र सौंपा। मांग पत्र सौंपते हुए डा. मनीष श्योराण व एमपीएचई राज्य प्रधान शर्मीला देवी ने संयुक्त रूप से स्वास्थ्य मंत्री आरतीराव हरियाणा सरकार से मांग करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार, स्वास्थ्य विभाग हरियाणा चण्डीगढ के पत्र क्रमांक 09/35/2024-6एचबी-11 30 मई 2025 तथा इसी के निरन्तरता में महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं हरियाणा पंचकुला के पत्र क्रमांक 12/25-4 प्रशा.-2025/8774-8818 , 03-06-2025 के द्वारा चिकित्सकों व स्वास्थ्य कर्मचारियों को अपनी उपस्थिति जियोफेंसिंग आधारित उपस्थिति प्रबंधन प्रणाली के तहत दर्ज करवाने के आदेशों को वापिस लिया जाए। उन्होंने कहा कि अगर उनकी मांग को समय रहते हुए पूरा नहीं किया गया तो स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत सभी चिकित्सक व स्वास्थ्य कर्मी 28 जुलाई 2025 को विरोध स्वरूप काले बिल्ले लगाकर विरोध जताते हुए अपनी सेवाएं देंगे। इसके बाद 4 अगस्त को सभी चिकित्सक व स्वास्थ्य कर्मचारी सुबह 10 से 11 बजे तक एक घंटे कार्य का बहिष्कार करते हुए गेट मिटिंग करेंगे और सीएमओ के माध्यम से सरकार को ज्ञापन भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके बावजुद भी सरकार व स्वास्थ्य विभाग अपने आदेशों को वापस नहीं लेगा तो 10 अगस्त को पुन एक बैठक बुलाई जाएगी।

जलभराव की समस्या को लेकर एडीसी को सौंपा ज्ञापन

- पानी निकासी ना होने के कारण हर वर्ष बनती है जलभराव की समस्या : इंदु
- जलभराव होने से बीमारियां फैलने के भय के साथ किसानों की फसलें होती है बर्बाद

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

गांव मिताथल सहित आसपास के अन्य गांवों में हर साल बरसात के कारण उत्पन्न होने वाले जलभराव की समस्या से ग्रामीणों को निजात दिलाने की मांग को लेकर इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को अतिरिक्त उपायुक्त डा. मुनीष नागपाल को एक ज्ञापन सौंपा। इस दौरान इनेलो ने प्रशासन से इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया। एडीसी को ज्ञापन सौंपते हुए इनेलो महिला विंग की प्रदेश महासचिव इंदु परमार व बवानीखेड़ा हल्का अध्यक्ष कृष्ण मितथल ने कहा कि गांव मिताथल में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था ना होने के कारण हर साल बरसात के मौसम में भारी जलभराव हो जाता है। इससे ग्रामीणों को आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

जल्द प्रबंध की मांग

अधिवक्ता निशांत ढ़ांडा, अधिवक्ता अमित मलिक ने कहा कि जलभराव के कारण किसानों की फसलें भी बर्बाद हो जाती हैं, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह समस्या हर साल दोहराई जाती है और अब जिला प्रशासन को इसके स्थायी समाधान की दिशा में ध्यान देना चाहिए। इनेलो ने अतिरिक्त उपायुक्त से मांग की कि गांव मिताथल और अन्य प्रभावित गांवों में पानी निकासी के लिए जल्द से जल्द उचित प्रबंध किए जाएं। ज्ञापन लेने के बाद एडीसी ने इनेलो प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिलाया कि इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किए जा चुके है तथा ग्रामीणों को जल्द ही जलभराव की समस्या से निजात दिलाई जाएगी।

भिन्न-भिन्न प्रतियोगिताओं में छाए छात्र

- बीबीसी सैंकेडरी स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। प्रतियोगिता में उपस्थित बच्चे। फोटो: हरिभूमि

आगामी हरियाली तीज के अवसर पर बीबीसी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विद्यार्थियों के लिए भिन्न-भिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं और गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसमें प्री प्राइमरी के विद्यार्थियों ने रैंप वॉक प्रतियोगिता में भाग लिया एवं भिन्न-भिन्न प्रकार के किरदारों से सब का मन मोह लिया। प्राइमरी कक्षा के विद्यार्थियों ने तरह-तरह की पतंग झूले एवं पोस्टर बनाए और अपनी कला का प्रदर्शन किया। अवसर पर मौजूद विद्यालय के डायरेक्टर महोदय एडवोकेट अजय गुप्ता एवं प्रधानाचार्य रेनू गुप्ता ने सभी छात्रों का मनोबल बढ़ाया और उन्हें अपनी कला प्रदर्शित करने पर बधाई दी। विद्यालय की उप प्रधानाचार्य शालू ग्रेवाल ने कार्यक्रम का सुचारू रूप से संचालन किया साथ ही प्री प्राइमरी कक्षा के अध्यापिका रेनू यादव एवं अन्य स्टाफ ने नन्हे नन्हे कलाकारों का संपूर्ण सहयोग किया। हरियाली तीज के अवसर पर विद्यार्थियों को तीज के त्यौहार का महत्व बताया गया और अपनी संस्कृति का परिचय दिया गया। इस प्रकार सभी बच्चों ने मिलकर हरियाली तीज के इस कार्यक्रम को सफल बनाया। इन गतिविधियों के माध्यम से न सिर्फ बच्चों ने अपनी रचनात्मकता और सांस्कृतिक उपलब्धियां का प्रदर्शन किया।

जयंती पर अनंगपाल तोमर को किया नमन

- क्षत्रिय सम्राट महाराजा अनंगपाल तोमर द्वितीय की जयंती तिगड़ाना में धूमधाम से मनाई

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। अनंगपाल तोमर की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोग।

स्वधर्म शोध संस्थान के तत्वावधान में तँवर खांप 1440 द्वारा धर्म नगरी गाँव तिगड़ाना में दिल्लीपति महाराजा अनंगपाल तोमर द्वितीय की जन्म जयंती का कार्यक्रम रखा गया।इसमें मुख्य अतिथि अधिवक्ता विनोद तँवर जाटू लुहारी रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता धीरज हवलदार तिगड़ाना की रही। अति विशिष्ट अतिथि कर्णदीप रहे जिन्होंने ग्राम तिगड़ाना में महाराजा अनंगपाल तोमर द्वितीय की प्रतिमा की स्थापना 2007 में की थी। संस्थान की तरफ से नवीन तंवर ठेकेदार ने कार्यक्रम की रूपरेखा रखी थी।कार्यक्रम की शुरुआत महंत विनोद नाथ ने दीप प्रज्वलित करके की व संचालन अभिषेक तंवर रामपूरा बलियाली का रहा। तंवर खाप 1440 के संयोजक कर्मबीर तंवर ने खाप में नये सदस्यों को जोडने के लिये अपनी सहमति प्रदान की और महाराजा अनंगपाल तोमर के आदर्श जीवन चरित्र के रूप में बताते हुये कहा तोमरों द्वारा शासित क्षेत्र को हरियाना कहा जाता था। यह हरियाना वर्तमान हरियाणा राज्य से आकार में कई गुना बड़ा

इतिहास बताया

तोमर साम्राज्य की पहली राजधानी अनंगपुर थी, जबकि अंतिम राजधानी ढिल्लिकापुरी (दिल्ली, लाल कोट) थी। राजनीतिक महत्व के साम्राज्य के अन्य हिस्से इस प्रकार थेः पठानकोट - नूरपुर , पाटन - तंवारावती, नगरकोट (कांगड़ा), असिगढ़ (हांसी), स्थानेश्वर (थानेसर), मथुरा , तारागढ़ , गोपाचल (ग्वालियर), तंवरहिंदा (भटिंडा), तंवरघार(मध्य प्रदेश)। लाल कोट (जैसा कि किला राय पिथौरा को मूल रूप से कहा जाता था) का निर्माण तोमर राजा अनंगपाल द्वितीय के शासनकाल में हुआ था। लाल कोट राजपूत स्थापत्य कलाअद्भुत उदाहरण है । इन्होंने ही मथुरा जिले के सौंख से लौह स्तंभ लाया और इसे वर्ष 1052 में दिल्ली में स्थापित किया, जैसा कि इस पर लगे शिलालेखों से स्पष्ट है।

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को नमन

- बीके वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कारगिल विजय दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित बच्चे व शिक्षक।

बी. के. वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कारगिल विजय दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति गीत नृत्य कविता एवं भाषण के माध्यम से कारगिल योद्धाओं को भाव भीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कक्षा पांचवी की छात्रा ने अपने भाषण के माध्यम से बताया कि 26 जुलाई का दिन हमारे लिए खास महत्व का दिन है। विद्यालय प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा ने बताया कि इस दिन हमारे जांबाज सैनिकों ने पाकिस्तानी हुकूमत के सैनिकों के नापाक मंसूबों पर पानी फेरते हुए कारगिल युद्ध में फतह हासिल की। आज ही के दिन हमारे शूरवीरों ने करगिल क्षेत्र की सबसे ऊंची चोटी पर तिरंगा फहराया था। उनके अदम्य साहस, पराक्रम और शौर्य के बलबूते पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया गया। दूसरी ओर विद्यालय में हरियाली तीज का महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। तीज भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है जो हमें हमारी संस्कृति के प्रति गौरवान्वित अनुभव करवाता है। तीज के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों के मध्य कई प्रकार की प्रतियोगिताएं रखी गई, जिसमें रैंप वॉक, हरियाणवी डांस, लोकगीत आदि रहे। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्षा सरिता शर्मा, पूनम मिश्रा, उपाध्यक्ष जोगिंदर जांगड़ा, सचिव योगेश शर्मा, वरिष्ठ विभाग प्रमुख योगेंद्र सिंह, कनिष्ठ विभाग संचालिका मंजू मालिक, मनीष शंकर आदि रहे।

देशभक्ति का महत्व बताया

मंच का संचालन भी हरियाणवी भाषा में किया गया। रैंप वॉक में मिस तीज का चयन किया गया। विद्यालय में झूला झूलने का आयोजन भी किया गया जो सभी के आकर्षण का केंद्र रहा। साथ ही हरियाणा की प्रसिद्ध मिठाई घेवर भी देखने को मिलीं। प्रसिद्ध समाजसेवी सुभाष शर्मा ने अपने उद्बोधन में बताया कि हमें देशभक्ति का आदर करना चाहिए। उनके त्याग एवं बलिदान से प्रेरित होकर स्वयं के भीतर देशभक्ति की भावना भरनी चाहिए। कारगिल विजय दिवस केवल हमारी तालियों तक ही सीमित ना रहे, बल्कि इसे देशभक्ति का जज्बा बनाना चाहिए। देश की उन्नति में अपना सकारात्मक सहयोग देना चाहिए।

एचडी स्कूल में मनाया तीज पर्व

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

चरखी दादरी। तीज पर्व पर झूला झूलते नन्हे बच्चे। फोटो: हरिभूमि

एचडी पब्लिक स्कूल बिरोहड़ में हरियाली तीज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ प्राचार्या नमिता दास ने किया। उन्होंने पर्व की सांस्कृतिक विशेषताओं की संक्षिप्त जानकारी दी। प्राचार्य ने कहा कि हरियाली तीज का पर्व हरियाली और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का पर्व है, जो विशेष रूप से महिलाओं द्वारा मनाया जाता है। उन्होंने अपने भाषण में हरियाली तीज के महत्व पर प्रकाश डाला और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने पर जोर दिया। इसके साथ माध्यमिक कक्षाओं की छात्राओं के बीच मेहंदी प्रतियोगिता करवाई गई। जिसमें छात्राओं ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। निदेशक बलराज फौगाट ने कहा कि तीज पर्व हमें हमारी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़े रखते हैं।

आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में तीज पर्व पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

चरखी दादरी। कस्बा बौंद कलां स्थित आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को तीज महोत्सव भव्य अंदाज में मनाया गया। विद्यालय ने पारंपरिक रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से तीज के महत्व को उजागर किया। विद्यार्थियों के साथ अध्यापिकाओं ने झूला झूल कर तीज पर्व का आनन्द लिया। इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय निदेशक प्रताप सिंह यादव ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार तीज का पर्व सावन मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य कृष्णदत्त ने विद्यार्थियों के साथ पौधा रोपण किया।

संस्था हित में ईमानदारी व पूर्ण समर्पित भाव से कार्य करें : धर्माणी

स्थापना दिवस पर चौ. बंसीलाल को किया याद

- कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलित कर किया

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में मुख्यअतिथि को सम्मानित करते हुए।

चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय द्वारा 11 वें स्थापना दिवस पर गुरु पूजन कार्यक्रम का आयोजन स्वामी विवेकानंद व्यक्तित्व विकास केंद्र के सौजन्य से कुलपति प्रो दीप्ति धर्माणी की अध्यक्षता एवं कुलसचिव डॉ भावना शर्मा के संयोजन में किया गया । कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता पूर्व कुलपति प्रो आर. के. अनायथ एवं मुख्यअतिथि सिविल सर्जन डॉ रघुबीर शांडिल्य ने शिरकत की। कार्यक्रम की संयोजक कुलसचिव डॉ भावना शर्मा व आयोजन सचिव डॉ रेखा जांगड़ा थीं । कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलित कर पूर्व मुख्यमंत्री स्व.चौधरी बंसी लाल को श्रद्धा सुमन अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौधरी बंसी लाल को नमन कर विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर सभी कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के मात्र कुछ ही वर्षों में खेल,शिक्षा एवं अनुसंधान के साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नए कीर्तिमान स्थापित कर देश ने अपनी अलग पहचान बनाई है।

गुरुओं का वंदन प्राचीन ज्ञान परंपरा का हिस्सा

बतौर मुख्य अतिथि सिविल सर्जन डॉ रघुबीर शांडिल्य ने कहा कि गुरु का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि हम अपने अंदर नैतिक मूल्यों को बनाए रखें । उन्होंने कहा कि हमें अपने स्वास्थ्य के प्रति पूर्णतया सचेत रहना चाहिए। क्षय रोग के प्रति लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया। भारतीय शिक्षण मंडल के प्रांत अध्यक्ष एवं पूर्व कुलसचिव डॉ जितेन्द्र भारद्वाज ने कहा कि हम अपने गुरुजनों का सम्मान करें। गुरुओं का वंदन हमारी प्राचीन ज्ञान परंपरा का हिस्सा है। हमारी प्राचीन ज्ञान परंपरा विश्व में सर्वश्रेष्ठ है और भारतीय शिक्षण मंडल के आह्वान पर पूरे देश में गुरू वंदन कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने गुरु वंदन कार्यक्रम पर विस्तृत जानकारी दी।